to the States? Do they contribute half of the amount?

DR. K. L. SHRIMALI: The Youth Camps are usually subsidised on the following basis:

Rs. 2 per head per day for food and incidentals, and

Actual third class railway fare or actual bus fare.

The grants are usually calculated on this basis.

श्रीमती सावित्री निगम : श्रीमन्, क्या मैं यह जान सकती हूं कि इन लेबर कैम्प्स में कितनी कीमत का काम हुआ है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : जो काम होता है उसको कीमत के रूप में नहीं देखा जाता है । खास मकसद यह है कि विद्यार्थियों की शक्ति राष्ट्रीय निर्माण कार्य में लगे और इसी दृष्टि से इन कैम्प्स को संगठित किया जाता है ।

श्रीमती सावित्री निगम: क्या मैं जान सकती हूं कि कितने कैम्प्स भारत सेवक समाज के मातहत लगाए गए ?

डा० के० एल० श्रीमाली: ये जितने कैम्प्स मैंने बताये हैं इनमें कई तरह की एजेंसियों ने काम किया है जिनमें से भारत सेवक समाज भी एक है, लेकिन भारत सेवक समाज ने कितने कैम्प्स लगाए इसकी सूचना मेरे पास नहीं है ।

SHRIMATI CHANDRAVATI LAKHANPAL: Sir, I would like to know the number of girls' camps.

DR. K. L. SHRIMALI: The total number of girls is there. But I do not have the number of their camps.

जनता महाविद्यालय

*८१४. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पंचवर्षीय शिक्षा योजना के अन्तर्गत देश में जनता कालेज स्थापित करने की दिशा में कितनी प्रगति हुई है ; और

(ख) कितने जनता कालेज स्थापित करने की प्रस्तावना थी, और प्रत्येक राज्य में अभी तक कितने कालेज स्थापित किये जा चुके हैं ?

†[JANATA COLLEGES

*814. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for EDUCATION be pleased to state:

(a) the progress made towards the establishment of Janata Colleges in the country under the Five Year Educational Plan; and

(b) the number of Janata Colleges that were proposed to be established, and the number of those actually established so far in each State?]

शिक्षा मंत्री के संसदीय सचिव (डा० के० एल० श्रीमाली): (क) और (ख). एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है। [**देखिए परिशिष्ट ९, अनुपत्र संख्या १७९**।]

†[THE PARLIAMENTARY SECRETARY TO THE MINISTER FOR EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI): (a) and (b). A statement is laid on the Table of the House.] [*See* Appendix IX, Annexure No. 179.]

श्री नवाब सिंह चौहान: विवरण में २१ जनता कालिजों में जो १४ कालिज चालू किये गये हैं इनमें प्रत्येक पर कितना खर्चा होता है और उनकी व्यवस्था किस प्रकार होती है ? कृपया उस पर प्रकाश डालें ।

डा० के० एल० श्रीमाली : जनता कालेजेज मिनिस्ट्री की शिक्षा विकास योजना के अन्तर्गत खोले गए हैं, और जो ग्रांट्स हम देते हैं उसमें ६६ प्रतिशत नॉन रिकरिंग एक्सपेंडिचर और

†English translation.

६० प्रतिशत से ३३ १/३ प्रतिशत तक रिकरिंग एक्सपेंडिचर स्टेट गवर्नमेन्ट्स को दिया जाता है । मैं बता सकता हूं कि हर एक स्टेट को कितना दिया गया है, लेकिन हर एक कालेज पर कितना खर्च हुआ, इसका ब्यौरा मेरे पास नहीं है ।

SHRI M. VALIULLA: What is the difference between the Janata College and the First Class College or the Second Class College?

डा० के० एल० श्रीमाली : मालूम नहीं सदस्य महोदय का फर्स्ट क्लास, सेकंड क्लास कॉलेज से क्या मतलब है । 'जनता कालेज कम्यूनिटी लीडर्स के लिए खोले गये हैं ।

श्री कन्हैयालाल दौ० वैद्य : क्या दिल्ली राज्य में ऐसा कालेज है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : जी हां ।

श्री कृष्णकान्त व्यास : क्या मध्य भारत में ऐसा कालेज स्थापित करने की योजना है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : जो लिस्ट मेरे पास है उसमें तो मध्य भारत का नाम दिखाई नहीं देता ।

श्री एम० वलीउल्ला : कितने साल का कोर्स है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : कोई निश्चित् कोर्स इसके लिए नहीं है । प्रायः जनता कालेज ४ महीने से ६ महीने तक के लिए होते हैं ।

*815. [*For answer, vide cols.* 6167—6168 infra.]

SCHOLARSHIPS TO SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES

*816. DR. SHRIMATI SEETA PARMANAND: Will the Minister for EDUCATION be pleased to state the amount of scholarships given to students belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other Backward Classes for College Education during the years 1952-53 and 1953-54 in Madhya Pradesh and the number of such students from that State?

THE PARLIAMENTARY SECRETARY TO THE MINISTER FOR EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI): 1,693 scholarships of the total value of Rs. 8,15,228 were awarded during these two years.

DR. SHRIMATI SEETA PARMANAND: Is it a fact that these awards are announced for a year's duration only and this causes great hardship to the students in deciding on their courses?

DR. K. L. SHRIMALI: The usual procedure is that the scholarships are awarded from year to year and we have to examine the results of the students before making these awards, but if the students make satisfactory progress, naturally the scholarships will be continued.

DR. SHRIMATI SEETA PARMANAND: It is obvious, but are the students given an understanding that there is a possibility of those scholarships continuing for a particular length of time?

DR. K. L. SHRIMALI: The students know that, if they make satisfactory progress, the scholarships will be renewed.

DR. SHRIMATI SEETA PARMANAND: Is it not a fact that in the first year the Government said that those scholarships would be paid for the year and again for the second year a similar announcement was made, and that the students do not know whether they can have a one year course, or two years' course or four years' course?

DR. K. L. SHRIMALI: I do not know what particular matter the hon. Member is referring to. The usual procedure is that the scholarships are awarded for one year and the students know that, if they make satisfactory progress, the scholarships will be renewed. Naturally they cannot be told beforehand that they would be